CBCS

बी.ए. ½प्रोग्राम½ हिंदी

DS Elective Course (B.A. Prog.)

विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-5

5.1 (क) हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

इकाई-1 : भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा, महत्त्व, भाषा और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

इकाई-2 : शब्द परिचय

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी (स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आदि)
  (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द-निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर

इकाई-3 : व्याकरण-व्यवहार

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
- अपठित गद्यांश

इकाई-4 : वाक्य परिचय

- वाक्य के अंग – उद्देश्य और विधेय
- वाक्य के भेद (रचना के आधार पर)
- वाक्यगत अशुद्धियाँ
- विराम चिह्न

सहायक ग्रंथ

- हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
- भारतीय पुरालिपि – डॉ. राजबली पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
- हिंदी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
- हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
- लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
- हिंदी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
- हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु
- हिंदी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी
- A Grammar of the Hindi Language – Kellog
- Hindi Linguistics – R.N. Shrivastava
- हिंदी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी
- हिंदी व्याकरण – एन.सी.ई.आर.टी.

अथवा

5.1 (ख) हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा

निर्देश : सैद्धांतिक बिंदुओं का सामान्य परिचय अपेक्षित है। लोकगीतों की प्रस्तुतियाँ और लोकनाट्य के प्रदर्शनों को सुनने-देखने का अवसर छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी होगा।

इकाई-1 : **मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध**

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ-बुझौवल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक साहित्य और समाज।

इकाई-2 : **लोकगीत : वाचिक और मुद्रित**

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि।

सोहर भोजपुरी : भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी - बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पृ. 8, गीत संख्या-4

सोहर अवधी - हिंदी प्रदेश के लोकगीत - कृष्णदेव उपाध्याय, पृ. 110, 111 साहित्य भवन, इलाहाबाद

विवाह - भोजपुरी - भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृ. 116

ऋतुसंबंधी गीत : बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि।

– निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के उल्लेखित पृष्ठ

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव, पृ 231
हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्ण देव उपाध्याय, पृ. 205
वाचिक कविता : भोजपुरी : पं. विद्या निवास मिश्र, पृ 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जँतसर, दँवनी, रोपनी इत्यादि।
कटनी के गीत, अवधी 2 गीत - हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ. 134, 135
जँतसारी : भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृ. 140, 141
विविध गीत: घुघुति - कुमाउंनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी, पृ 802, 803
गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत, पं. रा.न. त्रिपाठी, पृ 801-802

इकाई-3 : **लोककथाए एवं लोकगाथाए** विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं आल्हा, लोरिक, सारंगा-सदावृक्ष, बिहुला
राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 10, 11
(सोलहवाँ भाग)
मालवी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461-462
अवधी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187-188

इकाई-4 : **लोकनाट्य :** विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला; रासलीला मालवा का नाच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला; बिहार-बिदेसिया; हरियाणा-सांग पाठ : संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली, संपा. प्रो. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंडवानी : तीजन बाई.

<u>सहायक ग्रंथ</u>

- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य – शंकर लाल यादव
- मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी
- मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
- रसमंजरी - सुचिता रामदीन; महात्मा गांधी संस्थान, मॉरी ास
- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास – पं. राहुल सांकृत्यायन; सोलहवाँ भाग
- वाचिक कविता : भोजपुरी – पं. विद्यानिवास मिश्र
- भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा
- कविता कौमुदी : ग्रामगीत – पं. रामनरेश त्रिपाठी
- लखमीचंद का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- सूत्रधार – संजीव
- हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

5.1 (ग) हिंदी रंगमंच

इकाई- 1 **(क)** पारंपरिक रंगमंच

(रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, माच, ख्याल, स्वांग का सामान्य परिचय)

(ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन-परंपरा और आधुनिक रंगमंच

इकाई-2 **हिंदी रंगमंच की विकास-यात्रा**

(क) स्वतंत्रतापूर्व : पारसी थिएटर, भारतेंदु युगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर तथा इप्टा

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच : रंग प्रशिक्षण एवं रंग गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रंगमंडल भारत भवन, भोपाल, भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ

इकाई-3 आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध (स्टाइलाईड), यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक-शैली

इकाई-4 प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : श्यामानंद जालान, सत्यदेव दुबे, इब्राहिम अल्काजी, ब.व. कारंत, हबीब तनवीर, लखमीचंद एवं भिखारी ठाकुर

सहायक ग्रंथ :

- पारंपरिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर
- भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास – अज्ञात
- पारसी हिंदी रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
- नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री
- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
- समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – नरेंद्र मोहन
- पहला रंग – देवेंद्र राज अंकुर
- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद जैन
- लखमीचंद का काव्य-वैभव –हरिचन्द्र बंधु
- भिखारी ठाकुर : भोजपुरी के भारतेंदु – भगवत प्रसाद द्विवेदी
- कंटेम्प्रेरी इंडियन थिएटर : इंटरव्यू विद प्लेराइट्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी
- थिएटर्स ऑव इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाड़कर

सेमेस्टर-6

6.1 (क) साहित्य चिंतन

इकाई-1 : साहित्य का स्वरूप : विविध दृष्टिकोण, साहित्य और समाज, साहित्य की प्रयोजनीयता

इकाई-2 : रस : परिभाषा, स्वरूप, अंग और भेद

इकाई-3 : भाषा-सौष्ठव, शब्द-शक्ति, अलंकार, प्रतीक, बिम्ब, मिथक एवं फैंटेसी : रचना में इनकी भूमिका

इकाई-4 : छंद, लय तथा तुक : रचना में इनकी भूमिका

सहायक ग्रंथ :

- साहित्य सहचर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का स्वरूप – नित्यानंद तिवारी
- साहित्य सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
- साधारणीकरण और काव्यास्वाद – राजेंद्र गौतम
- काव्य के तत्त्व – देवेंद्रनाथ शर्मा
- हिंदी साहित्य कोश (भाग-1 और 2) – संपा. देवेंद्र वर्मा
- साहित्य सिद्धांत – रेनेवेलक और ऑस्टिन वॉर्न

अथवा

6.1 (ख) कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश

इकाई-1 : कोश परिचय

- अर्थ और परिभाषा
- उपयोगिता और महत्त्व
- हिंदी कोश के उपयोग के नियम
  (वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ, अनुस्वार एवं अनुनासिक, संयुक्त व्यंजन वर्ण)

इकाई-2 : कोश निर्माण

- शब्द संकलन एवं चयन
- प्रविष्टि (वर्तनी, क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)
- शब्द का अर्थ एवं विस्तार
- शब्द प्रयुक्तियाँ

इकाई-3 : कोश के प्रकार

- कोश : वर्गीकरण के आधार
- विषय के आधार पर (भूगोल कोश, इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश, धर्म कोश आदि)
- भाषा के आधार पर (एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)
- आकार के आधार पर (सामान्य और विश्वकोश)
- समांतर कोश
- पारिभाषिक शब्दावली

इकाई-4 : प्रमुख कोशों का परिचय

- हिंदी-हिंदी शब्दकोश – बृहत् हिंदी शब्दकोश; ज्ञानमंडल
- अंग्रेज़ी-हिंदी शब्दकोश – फादर कामिल बुल्के
- हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश – भोलानाथ तिवारी और महेंद्र चतुर्वेदी
- विश्वकोश – हिंदी शब्दसागर – नागरी प्रचारिणी सभा

- समांतर कोश – अरविंद कुमार, कुसुम कुमार; नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
- ई-कोश

सहायक ग्रंथ

- कोश विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
- हिंदी कोश रचना, प्रकार और रूप – रामचंद्र वर्मा
- हिंदी कोश साहित्य – अचलानंद जखमोला
- हिंदी शब्द सागर – नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग
- हिंदी साहिय कोश – धीरेंद्र वर्मा,
- कोश विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग – राम आधार सिंह
- कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग – त्रिभुवननाथ शुक्ल
- Lexicography : An Introduction – Howarel Jackson; Routledge Publication, London
- भारत में कोश विज्ञान पर विशेष – गवेषणा; अंक 93; जनवरी-मार्च, 2009
- 'भाषा' – पुष्पलता तनेजा हिंदी पत्रिका लेख 'नवीन कोश बनाम प्राचीन कोश'
- वेबलिंक
  - www.archive.org (hindishabdsagar)
  - www.britannika.com
  - www.e.vikipedia.org
  - www.encyclopedia.centre.com
  - www.culturepedia.com

अथवा

6.1 (ग) विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार

कबीर, तुलसीदास, प्रेमचंद, निराला